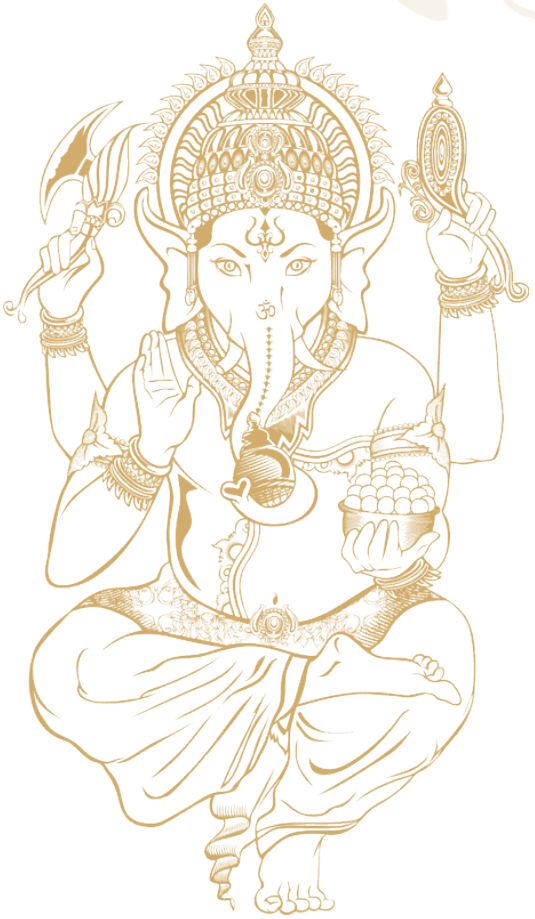

Deepak mishra

05 Sep 1995

10:05 AM

Gonda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121200405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/09/1995**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:05:00 घंटे**
इष्ट	10:55:20 घटी
स्थान	**Gonda**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:08:00 उत्तर
रेखांश	81:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:02:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:08 घंटे
सूर्योदय	05:42:51 घंटे
सूर्यास्त	18:18:41 घंटे
दिनमान	12:35:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	18:21:49 सिंह
लग्न के अंश	15:28:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:28:18	312:25:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	18:21:49	00:58:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	25:52:11	14:24:50	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	04:48:59	00:39:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			कन्या	14:56:36	01:07:02	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			वृश्चि	13:23:35	00:05:47	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	सिंह	22:31:06	01:14:28	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	28:15:42	00:04:31	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		तुला	03:40:43	00:04:58	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	03:40:43	00:04:58	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	03:07:17	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप	व		धनु	29:12:45	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:13:47	00:00:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	18:16:35	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:57

लग्न-चलित

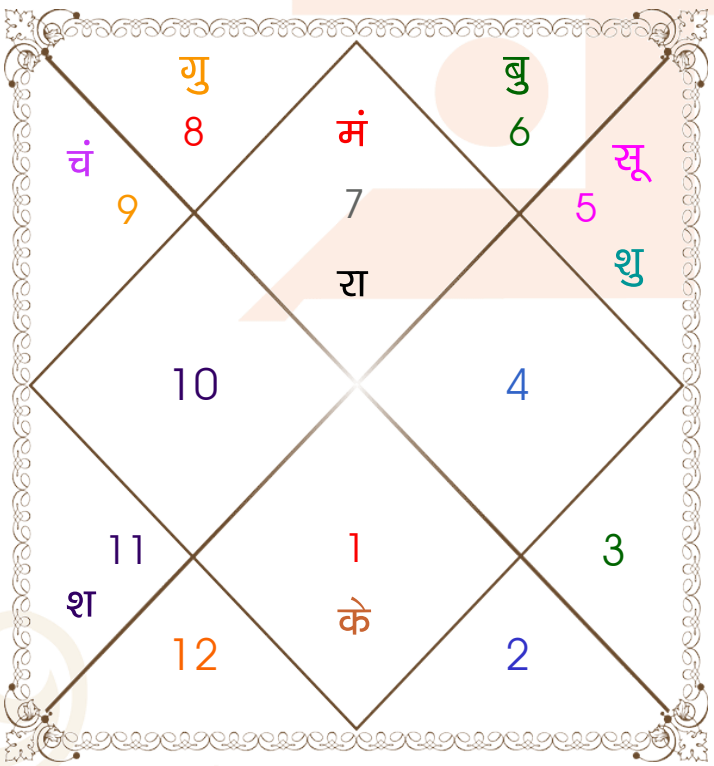

चन्द्र कुंडली

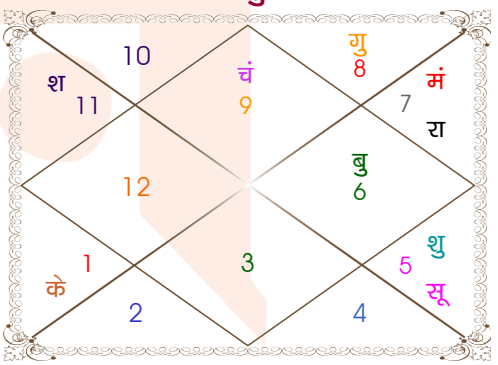

नवमांश कुंडली

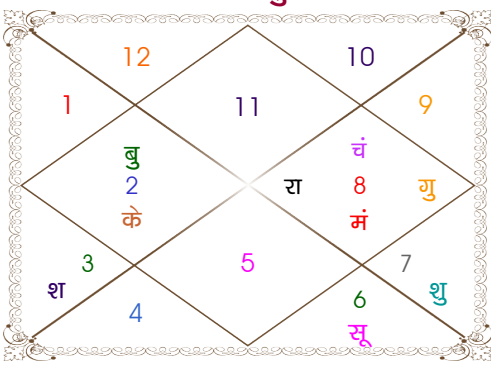

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 2 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/09/1995		14/11/1996		15/11/2002		14/11/2012		15/11/2019	
14/11/1996		15/11/2002		14/11/2012		15/11/2019		15/11/2037	
	00/00/0000	सूर्य	04/03/1997	चंद्र	15/09/2003	मंगल	13/04/2013	राहु	28/07/2022
	00/00/0000	चंद्र	03/09/1997	मंगल	15/04/2004	राहु	01/05/2014	गुरु	21/12/2024
	00/00/0000	मंगल	09/01/1998	राहु	15/10/2005	गुरु	07/04/2015	शनि	28/10/2027
	00/00/0000	राहु	03/12/1998	गुरु	14/02/2007	शनि	16/05/2016	बुध	16/05/2030
	00/00/0000	गुरु	21/09/1999	शनि	15/09/2008	बुध	13/05/2017	केतु	04/06/2031
	00/00/0000	शनि	02/09/2000	बुध	14/02/2010	केतु	09/10/2017	शुक्र	04/06/2034
	05/09/1995	बुध	10/07/2001	केतु	15/09/2010	शुक्र	09/12/2018	सूर्य	28/04/2035
बुध	15/09/1995	केतु	15/11/2001	शुक्र	16/05/2012	सूर्य	16/04/2019	चंद्र	27/10/2036
केतु	14/11/1996	शुक्र	15/11/2002	सूर्य	14/11/2012	चंद्र	15/11/2019	मंगल	15/11/2037

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/11/2037		15/11/2053		14/11/2072		15/11/2089		14/11/2096	
15/11/2053		14/11/2072		15/11/2089		14/11/2096		00/00/0000	
गुरु	03/01/2040	शनि	18/11/2056	बुध	13/04/2075	केतु	13/04/2090	शुक्र	17/03/2100
शनि	16/07/2042	बुध	29/07/2059	केतु	09/04/2076	शुक्र	13/06/2091	सूर्य	17/03/2101
बुध	21/10/2044	केतु	05/09/2060	शुक्र	08/02/2079	सूर्य	19/10/2091	चंद्र	16/11/2102
केतु	27/09/2045	शुक्र	06/11/2063	सूर्य	16/12/2079	चंद्र	19/05/2092	मंगल	16/01/2104
शुक्र	28/05/2048	सूर्य	18/10/2064	चंद्र	16/05/2081	मंगल	15/10/2092	राहु	16/01/2107
सूर्य	16/03/2049	चंद्र	19/05/2066	मंगल	13/05/2082	राहु	03/11/2093	गुरु	16/09/2109
चंद्र	16/07/2050	मंगल	28/06/2067	राहु	30/11/2084	गुरु	09/10/2094	शनि	15/11/2112
मंगल	22/06/2051	राहु	04/05/2070	गुरु	08/03/2087	शनि	18/11/2095	बुध	06/09/2115
राहु	15/11/2053	गुरु	14/11/2072	शनि	15/11/2089	बुध	14/11/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।